Regd. No. L. 3794

सस्ती और सुन्दर छपाई
तिरंगे ब्लाक
२) फी स्क्वायर इञ्च
मिनिमम साइज ब्लाक २०)
हिन्दुस्तान टाइम्स प्रेस
कनाट सकस, नई दिल्ली

हिन्दुस्तान
Hindustan

Telegrams: Care 'TIMES'   Telephones: 7208
THIS HINDI DAILY HAS THE LARGEST & WIDEST CIRCULATION OF ALL HINDI DAILIES IN INDIA

प्रभात संस्करण

हिन्दुस्तान का चन्दा

	स्थानीय	शहर से बाहर
वार्षिक	२३)	२८)
छमाही	१२)	१५)
तिमाही	६)	७)
मासिक	२)	२॥)
एक प्रति	-)	-)

बर्मा के लिये सालाना डा. खर्च ५) अधिक

वर्ष ८ अङ्क ११६ ❋   नई दिल्ली, सोमवार, २५ श्रावण १९९९   NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 10, 1942   ❋ मूल्य एक आना

बम्बई पूना व अहमदाबाद में गोलीकाण्ड : लाठी चार्ज : सर्वत्र सामूहिक गिरफ्तारी

गान्धी जी की गिरफ्तारी के साथ देश भर में तूफानी दमन

बम्बई में एक दर्जन बार गोली चली : ५ मरे और १८ जख्मी हुए

माता कस्तूर बा और श्री प्यारेलाल भी गिरफ्तार

जगह-जगह कांग्रेस दफ्तरों पर छापा और पुलिस का ताला

बम्बई, यू.पी.,सी.पी. दिल्ली और उत्कल में कांग्रेस गैर-कानूनी घोषित

महात्मा गांधी और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ सरकार ने सारे देश में ब्लिट्ज (विद्युत वेग से) दमन आरम्भ कर दिया ।

नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में जलूस निकालने और सभा करने पर पाबन्दी होने पर भी जगह-जगह हुए प्रदर्शनों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज, अश्रु गैस से काम लिया और अन्त में गोली चलाई ।

माता कस्तूर बा, कुमारी प्रेमा कण्टक, श्री प्यारेलाल और डा० सुशीला नायर भी गिरफ्तार कर लिए गए ।

बम्बई, ९ अगस्त

छः स्थानों पर एक दर्जन बार पुलिस द्वारा गोली चलाने से पांच आदमी और बीस अन्य व्यक्ति गोली से जख्मी हुए । अन्य ३५ व्यक्ति, जिनमें १५ पुलिस कान्स्टेबल हैं, पत्थर फेंकने के फलस्वरूप जख्मी हुए ।

कर्फ्यू आर्डर ७–३० बजे समय से ६ बजे प्रातः काल तक केलिए गिरगांव, कालबादेवी, भुलेश्वर, सैण्डहर्स्ट रोड और लेमिंगटन रोड इलाके में लगा दिया गया है ।

कर्फ्यू आर्डर कड़ाई के साथ अमल में लाया जा रहा है । कर्फ्यू आर्डर लगाने के बाद से गड़बड़ कम हो गई है ।

चार घण्टे के प्रदर्शन और पुलिस द्वारा लाठी चार्ज से बार-बार भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयत्न करने और धुंआ गैस बरतने पर भी शिवाजी पार्क से भीड़ अन्धेरा होने से पहले ही नहीं गई । इसके बाद पुलिस वहां से हटा ली गई । सभा-स्थान के पास कुछ मोटरों पर पत्थर फेंके जाने की खबर मिली है ।

बम्बई गवर्मेण्ट ने निम्न विज्ञप्ति प्रकाशित की है :—

गोली चलाने से १८ व्यक्ति घायल हुए जिनमें से दो मर गए । शाम पांच बजे तक ३४ पुलिस कान्स्टेबल और ११ पुलिस अफसर जख्मी हुए । चार कान्स्टेबल अस्पताल पहुँचाए गए हैं । इसके साथ १४२ व्यक्ति गिरफ्तार किए गए । गोली चलाना आवश्यक हो गया था ।

बुद्धि की लड़ाई

शिवाजी पार्क, उत्तरीय बम्बई में पुलिस पार्टी और जनता की अपार भीड़ साढ़े चार घण्टे से अधिक समय तक एक-दूसरे को बौद्धिक लड़ाई में हराने में लगी रही । यहां के लिए पहले घोषणा की गई थी कि महात्मा गांधी भाषण करेंगे । उनकी गिरफ्तारी के बावजूद हजारों आदमी वहां पहुँच गए । सभा न होने पावे इसके लिए वहां पुलिस का एक दस्ता, अश्रु-गैस स्क्वैड और कुछ लठैत पुलिस वहां तैनात थी । पार्क इतना बड़ा था कि उसका जन-शून्य करना कठिन था और वह बार बार पुलिस के पीठ फेरती ही अन्दर आ जाती थी । अश्रु-गैस छोड़ी गई मगर जनता वहां से हटी नहीं । कुछ पत्थर भी फेंके गए । पुलिस और कांग्रेस नारे लगाने वालों में कुछ गुत्थमगुत्था भी हो गई । पुलिस ने कुछ फायर किए । एक आदमी अस्पताल ले जाया गया । लगभग साढ़े आठ बजे पार्क सारा खाली हो गया और पुलिस भी चली गई ।

६ बसें चूर-चूर हो गईं

शहर के उत्तर में भीड़ ने बसों को चलने से रोका और बहुत सी बसें सड़क पर खड़ी मिलीं । ६ बसें चूर चूर कर दी गईं ।

माता कस्तूर बा गिरफ्तार

माता कस्तूरबा गांधी, महात्मा गांधी के सेक्रेटरी श्री प्यारेलाल और डा० सुशीला नायर आज शाम बिड़ला भवन में गिरफ्तार कर लिए गए । माता कस्तुरबा ने शिवाजी पार्क की सभा में; जहां कि महात्मा गांधी भाषण करने वाले थे; भाषण करने की घोषणा की थी । शाम दो पुलिस अफसर बिड़ला भवन आए और उन्होंने पूछा क्या श्रीमती कस्तूरबा का सभा में भाषण करने का इरादा पक्का है, यदि है, तो वे उनको गिरफ्तार करने आए हैं । माता कस्तूरबा द्वारा 'हां', में जवाब देने पर वे श्री प्यारेलाल और डा० सुशीला नायर के साथ गिरफ्तार कर ली गईं । खयाल किया जाता है कि श्रीमती गांधी पूना महात्मा गांधी के साथ रहने के लिए भेज दी जावेंगी ।

बम्बई में जो नेता गिरफ्तार हुए हैं, उनमें जगीनदास टी० मास्टर प्रेसीडेन्ट, एस० के पाटिल जनरल सेक्रेटरी, बम्बई प्रान्तीय कांग्रेस कमेटी, बालगंगाधर खेर भूतपूर्व प्रधान मंत्री, बम्बई और मोरारजी देसाई तथा मि० नूरी, भूतपूर्व मंत्री और बम्बई के मेयर श्री युसुफ मेहर अली हैं । करीब २० स्थानीय नेता अब तक गिरफ्तार किये जा चुके हैं ।

पुलिस अफसर के गिरफ्तारी का वारन्ट दिखाने के एक घण्टे बाद सरदार पटेल और उनकी पुत्री मणि बहन पटेल निजी सामान के साथ अपने निवास-स्थान से रवाना हुए । उसी मकान से कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जे० बी० कृपलानी भी गिरफ्तार कर लिये गये । उन्हें मोटर से विक्टोरिया स्टेशन ले जाया गया ।

कांग्रेस अध्यक्ष मौलाना आजाद और उनके सेक्रेटरी अजमल खां भुलाभाई देसाई के मकान से गिरफ्तार कर लिये गये, जहाँ कि वे ठहरे हुए थे । उन्हें भी स्पेशल ट्रेन पर ले जाया गया । साथ-साथ पुलिस पार्टियाँ कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों और अन्य बम्बई के कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार करने में व्यस्त थीं ।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पण्डाल के सामने आज सुबह झण्डे की सलामी के लिए एकत्र कांग्रेस स्वयंसेवकों और देश-सेविकाओं के एक बड़े समूह पर पुलिस ने हल्का लाठी चार्ज किया । पुलिस झण्डा ले गई । एक दर्जन, स्वयंसेवक गिरफ्तार कर लिए गये ।

सदा की भांति महात्मा गांधी अपनी सुबह की प्रार्थना के लिये चार बजे सुबह उठे । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में कल रात दो घण्टे के भाषण के बाद रात को महात्मा गांधी बहुत देर-तक कुछ चिट्ठियां लिखते रहे और इस लिए थक गये थे । अतः उन्होंने बिस्तर में ही प्रार्थना की । पांच बजे के कुछ देर बाद महात्मा गांधी को सूचित किया गया कि कि पुलिस कमिश्नर मि० बटलर आये हैं और महादेव भाई से मिलना चाहते हैं । मि० बटलर अपने साथ भारत रक्षा नियमों के मातहत महात्मा गांधी, महादेव भाई और मीराबहन की गिरफ्तारी के वारंट लाये थे । महात्मा गांधी के प्रश्न के जवाब में मि० बटलर ने कहा कि वह आधे घण्टे में तैयार हो सकते हैं ।

पुलिस कमिश्नर मि० बटलर ने माता कस्तूर बा गांधी और महात्मा गांधी के प्राइवेट सेक्रेटरी श्री प्यारेलाल को सूचित किया कि यद्यपि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है, किन्तु यदि वे महात्मा गांधी के साथ जाना चाहें तो जा सकते हैं, किन्तु दोनों ने ऐसा करने से इंकार कर दिया ।

ज्योंही महात्मा गांधी तैयार हुए कि एक मुसलमान आश्रमवासी ने कुछ आयतें कुरान की पढ़ीं । महात्मा गांधी अपना कुछ सामान लिए हुए करीब ६ बज कर २० मिनट पर बिरला हाउस से रवाना हुए । सामान में एक प्रति भगवद्गीता, एक प्रति आश्रम भजनावली, एक प्रति-कुरान और एक चर्खा था ।

महात्मा गांधी प्रतीक्षा में खड़ी मोटर में सवार हुए उसके पहले श्रीमती बिड़ला और बिरला परिवार के अन्य सदस्यों ने मालायें पहिनाईं और कुंकुम लगाई महात्मा गांधी मुस्कराये, एक दो विनोद किये, अपनी लकड़ी उठाई और मीराबहन के साथ मोटर में सवार हो गये । आगे पुलिस कमिश्नर की मोटर थी और पीछे गांधी जी जी की मोटर । तीसरी गाड़ी में शायद महात्मा गांधी का सामान और महादेव-भाई थे । जो भीड़ एकत्र हो गई थी, उसने

माता कस्तूर बा

मोटर के रवाना होते समय महात्मा गांधी की जय और बन्देमातरम के नारे लगाये ।

महात्मा गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को लिए हुए स्पेशल ट्रेन सुबह ७ बज कर २० मिनिट पर विक्टोरिया टर्मिनस से सम्भवतः पूना के लिए रवाना हुई ।

लाठी चार्ज

स्वयंसेवकों के एकत्र होने के समय से पहले ही पुलिस ने गवालिया टैंक मैदान पर कब्जा कर लिया । पुलिस ने मैदान में जमा होने वालों को जमा न होने की चेतावनी दी । श्रीमती आसफअली ने झण्डा फहराया और महात्मा गांधी तथा अन्य कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी की खबर दी । पुलिस ने फिर जनता को बिखर जाने की चेतावनी दी किन्तु वह नहीं बिखरी । अतः पुलिस ने लाठी चार्ज से उसे बखेरा ।

पुलिस ने कांग्रेस भवन पर आज सुबह छापा मारा और कुछ चीजों पर कब्जा कर लिया । शहर में तमाम सभाओं और जलूसों पर पाबन्दी लगा दी गई है ।

सारे शहर में पुलिस ने विशेष सतर्कता के उपाय किये और गश्ती पुलिस गश्त लगा रही थी । जनता को घटनाओं का पता नहीं चला, क्योंकि शहर में दो बजे सुबह से ही टेलीफोन का सम्बन्ध काट दिया गया ।

आठ बजे सुबह शहर के टेलीफोन सम्बन्ध फिर शुरू कर दिये गये ।

कई स्थानीय अखबारों ने कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी की खबरों के विशेष संस्करण निकाले ।

अहमदाबाद में गिरफ्तारियां

अहमदाबाद में कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी बड़े सवेरे से शुरू हो गई । पुलिस के बयान के अनुसार भारत रक्षा नियमों के अनुसार १७ कांग्रेस नेता गिरफ्तार किये गये जिनमें बम्बई लेजिस्लेटिव असेम्बली के अध्यक्ष श्री जी० वी० मावलंकर भी हैं । सब गिरफ्तार नेताओं को साबरमती सेण्ट्रल जेल ले जाया गया । पांच से अधिक व्यक्तियों का जमा होना जाब्ता फौजदारी के अनुसार रोक दिया गया है । पुलिस ने स्थानीय कांग्रेस भवन की तलाशी ली और उस पर कब्जा कर लिया ।

पूना में गोली चली
कांग्रेस भवन के पास

पूना, ९ अगस्त

कांग्रेस भवन के पास पुलिस ने भीड़ के एक भाग पर गोली चलाई और दो व्यक्तियों को गोली लगी । उनमें से एक मर गया और दूसरे की हालत खतरनाक है । भीड़ को कांग्रेस भवन तक पहुँचने से रोक दिया गया था और पुलिस ने घेरा डाल दिया था । भीड़ ने उसको तोड़ कर आगे बढ़ने की कोशिश की मगर हर बार लाठी चार्ज द्वारा उनको पीछे भगा दिया गया । पत्थर फेंकने आरम्भ हुए और इस पर पुलिस ने गोली चलानी आरम्भ की जब कि स्थिति हाथ से बाहर जाती दिखाई दी । अब तक ३० व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं ।

कुमारी प्रेमा कण्टक गिरफ्तार

आज शाम कुमारी प्रेमा कण्टक गिरफ्तार कर ली गईं । आज दिन भर में कुल १६ व्यक्ति गिरफ्तार किए गए ।

१३ गिरफ्तार हुए

आज दिन भर में प्रयाग शहर में १३ व्यक्ति गिरफ्तार किए गए । तीसरे पहर प्रयाग विश्व विद्यालय के मैदान में एक सभा हुई और एक जलूस निकाला गया जो कि पुरुषोत्तमदास पार्क में जाकर समाप्त हुआ । सभा में हजारों की तादाद में जनता उपस्थित थी और बहुत से वक्ताओं ने भाषण दिए ।

पुलिस ने आज बहुत सुबह से ही कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया । गिरफ्तार होने वालों में "सकाल" के सम्पादक श्री बाबा साहेब घोरपड़े भी हैं ।

८ पुलिसमैन इस्पताल में

कांग्रेस भाषण पर भीड़ द्वारा पत्थर फेंकने के फलस्वरूप आठ पुलिसमैनों का सासून अस्पताल में इलाज किया गया ।

कहा जाता है कि शाम ढलने पर कुछ लोगों ने कुछ दुकानों की शोकेसेस और खिड़कियां तोड़नी प्रारम्भ कर दीं । शहर के एक भाग में सिनेमा का भी यह हाल किया गया । मगर बाद में वे पुलिस द्वारा तितर-बितर दिए गए ।

कांग्रेस गैर कानूनी करार दी गई

लखनऊ, ९ अगस्त

क्रिमनल लॉ एमेण्डमेण्ट एक्ट की १६वीं धारा में यू० पी० के गवर्नर ने अ० भा० कांग्रेस कमेटी, अ० भा० कांग्रेस कार्य-समिति , सब प्रान्तिक जिला, नगर, कस्बा, तहसील, वार्ड और मण्डल कांग्रेस कमेटियां गैर कानूनी करार दे दी हैं ।

लखनऊ में सभाओं पर पाबन्दी

लखनऊ के सिटी मजिस्ट्रेट ने १४४ धारा के अन्दर आज्ञा जारी की है कि कोई व्यक्ति म्युनिसिपैलिटी और छावनी के

(शेष पृष्ठ ३ पर)

आज की ......

सोमवार, ९ अगस्त

	गिरफ्तारी	मरे
बम्बई	१४९	५
अहमदाबाद	३६	१
पूना	३२	१
दिल्ली	१२	
खेड़ा	१७	
प्रयाग	१३	
लाहौर	१२	
अमृतसर	८	
लखनऊ	१४	
कलकत्ता	२	
गोरखपुर	१२	
नागपुर	६१ संस्थायें गैर-कानूनी घोषित	

काकेशिया में रूसियों की स्थिति और बिगड़ी

क्रापटकिन-आरमावीर फ्रण्ट पर लाल सेना और पीछे हटी

मेकोप तेल क्षेत्र की ओर जर्मन सेना की तेज प्रगति

मास्को, ९ अगस्त

सोवियट सेना के समाचार पत्र 'रेडस्टार' ने आज (रविवार) खबर दी है कि कल आरमावीर में सोवियत सेना के हटने के बाद रूसी सेना शुक्रवार को और पीछे हटी है । कुछ दिन पहले जर्मन आरमावीर प्रदेश में पांत को तोड़कर घुस गए थे । एक अंचल में कल कज्जाकों ने सफल प्रतिरोध किया । रोस्टोव रेलवे पर आरमावीर के उत्तर में ५० मील दूर कूबान नदी के किनारे क्रापटकिन शहर में रूसी कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं ।

'रेडस्टार' ने आज लिखा है कि हमारी सेनायें क्रापटकिन इलाके में हटने के बाद से सब अंचलों में रक्षात्मक लड़ाई लड़ रही हैं । कुछ जगहों में हमारी सेना ने प्रत्याक्रमण किया और दुश्मन को भारी नुक्सान पहुंचाया मगर उसकी प्रगति को रोक न सकी ।

स्थिति और अधिक बिगड़ी
काकेशश इलाके में

'रायटर' का विशेष सम्वाददाता लिखता है:— शुक्रवार के बाद से उत्तरीय काकेशिया के पश्चिम भाग में स्थिति और अधिक खराब होगई है । रूसी क्रापटकिन प्रदेश में पीछे हट गए हैं, जहां कुछ दिन पहले उन्हें घमासान लड़ाई लड़नी पड़ी थी । ताजी रिपोर्ट है कि क्रापटकिन-आरमावीर फ्रण्ट पर रूसी सेना और पीछे हट गई है । कूबान नदी के मोड़ और मेकोप तेल-क्षेत्रों के बीच एक मात्र बाधा केवल लाबा नदी है ।

रूसी सेना कोटेल निकोबो के चारों ओर घमासान लड़ाई लड़ रही है, जिससे जर्मन रेलवे के साथ-साथ ईशान दिशा की ओर से ९५ मील परे स्टालिनग्राड ओर न चले जावें । कल टैंक युद्ध का जोर रहा, यद्यपि यहां जर्मनों के पास मोटरवाही और पैदल सेना और टामी तोपें भी हैं ।

कुछअंचलों में युद्ध की पांत अनेकबार एक दूसरे हाथों बदली । अनेकबार सोवियत प्रत्याक्रमण हुए । एक पांत के पास सोवियत टैंक दस्ते ने दुश्मन को भारी नुक्सान पहुँचाया । डोन के मोड़ पर पिछले २४ घण्टों में स्थिति नहीं बदली है । जर्मनों के अनेक हमले, जो कि यद्यपि बड़े नहीं थे; विफल कर दिए गए । इन मुठभेड़ों में जर्मनों के १४०० सैनिक और बहुत से टैंक काम आए । 'ओ' स्थान के पास सोवियत सेना कुछ दूरी तक पीछे हटी है और अगली रक्षा पांत पर मोर्चा उसने लगा लिया है ।

क्लेटस्काया के दक्षिण में जर्मनों ने भारी सेना जमा कर रखी है, मगर रूसियों ने समय से पहले आक्रमण करके दुश्मन के व्यूह को तोड़ दिया । दोनों ओर के विमान सक्रिय रहे । डोन के मोड़ पर नदी के पुलों पर 'लुटवाफे' ने बम-वर्षा करने की कोशिश की ।

जर्मन रेडियो ने स्वीकार किया है कि रजेब के उत्तरी इलाके में रूसियों ने हमले किये और अपनी पहली कोशिश में हमारी पंक्तियों में घुसने में कामयाब हो गये किन्तु बाद में उनके हमले को रोक दिया गया और खोये हुए स्थान पर पुनः कब्जा कर लिया गया ।

स्वाधीनता संग्राम-यज्ञ की पहली पवित्र आहूति : अज्ञात स्थान को ले जाये गए राष्ट्र नायक

महात्मा गांधी

मौलाना आजाद

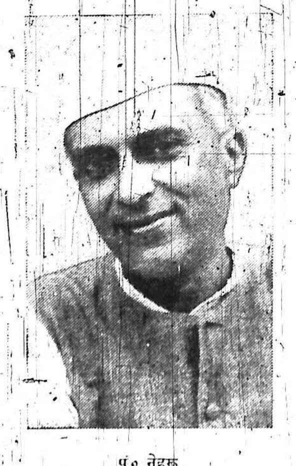

पं० नेहरू

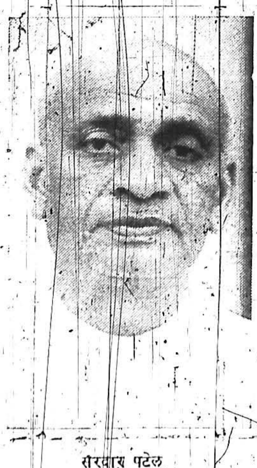

सरदार पटेल

सरोजनी नायडू

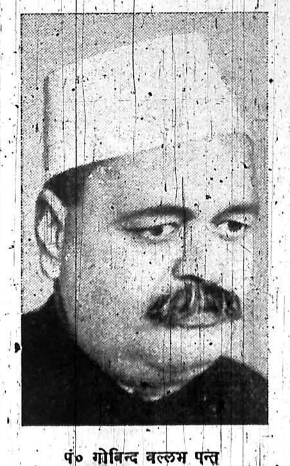

पं० गोबिन्द वल्लभ पन्त

मि० आसफअली